आज की साकार मुरली का सहज सार ---------- Date: 07-07-14

बाबा ने कहा, बाप समान रहमदिल और कल्याणकारी बनो, समझदार वह जो खुद भी पुरुषार्थ करें और दूसरों को भी करायें.

बाबा को ज्ञान सागर कहते है क्योंकि उन्हें ही सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का सारा ज्ञान हैं. उन्हें हम बच्चों के पार्ट का भी ज्ञान हैं, कैसे हम सतयुग में संपूर्ण सतोप्रधान थे और कैसे हम सीडी नीचे उतरे और हमने द्वापर से भक्ति शुरू की. बाप को न जान ने के कारण चैतन्य बाप को सर्व-व्यापी कह कर उन्हें गाली भी दी. फिर भी ये सब होते, वह रहमदिल बाप हमें कलियुग के अन्त में जब हम आत्माये संपूर्ण तमोप्रधान और दुखी बन पड़े तो हमें दुखों से मुक्त करने और सुख की दुनिया में ले चलने के लिए इस धरती पर आकर, हमें ज्ञान और योग सिखलाकर वापस हमें सतोप्रधान, सर्व-गुण संपन्न बनने का रास्ता बता रहे हैं. वह कल्याणकारी बाप इस समग्र सृष्टि की सर्व आत्माओं और प्रकृति के पांचों तत्वों का कल्याण करते हैं और सर्व आत्माओं को दुखों से मुक्त कर अपने धर शांतिधाम या परमधाम ले जाते हैं. प्रकृति के पांच तत्वों को भी परिवर्तन कर सतोप्रधान बना देते हैं और धरती पर सतयुग की स्थापना करते हैं.

ऐसे रहमदिल और कल्याणकारी बाप से हमें जो गुणों का, शक्तिओ का और ज्ञान का ख़जाना प्राप्त होता हैं उसे हमें दूसरों को दे कर हमें मास्टर रहमदिल और मास्टर विश्व कल्याणकारी बनना ही हैं.

मास्टर रहमदिल और मास्टर कल्याणकारी के स्टेज में स्थित हो कर हमें स्वयं को, विश्व की सर्व आत्माओं और प्रकृति के पांच तत्वों को योग दान देना हैं.

स्वमान - मैं बेहद के रहमदिल बाप का बच्चा मास्टर रहमदिल हूं.

योग में मनन -- कलियुग के अन्त में विश्व कि सर्व आत्माये और प्रकृति के पांच तत्वों संपूर्ण तमोप्रधान बन गये हैं और विकारों से ग्रस्त होने के कारण एक-दूसरे को दुखी करते रहते हैं, मैं आत्मा बेहद के रहमदिल बाप का बच्चा मास्टर रहमदिल हूं, बाबा से सर्व गुणों और शक्तिओं की किरणें ले कर, विश्व की सर्व आत्माओं और प्रकृति के पांच तत्वों को दे रही हूं. इसे सर्व आत्माये और प्रकृति के पांच तत्वों भी पवित्रता का, शांति का और सुख का अनुभव कर रहे हैं और मुझ आत्मा को दुआएँ दे रहे हैं.

इस योग के रिज़ल्ट से हमारा दुआ का खाता भरता हैं और आत्मा हर्षित हो जाती हैं.

ॐ शांति.